सांध्य दैनिक 4PM

मैं कभी मंदिर नहीं जाता, लेकिन जब मैं किसी बच्चे को देखता हूं, तो मैं उसमें भगवान देखता हूं।

-कैलाश सत्यार्थी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 20 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 21 फरवरी, 2026

अभिषेक की खराब फॉर्म ने बढ़ाई भारत... 7 | विस चुनाव से पहले एनडीए को... 3 | कार्यकाल के आखिरी साल में... 2

भारत के एपस्टीन रामभवन दुर्गावति को मौत की सजा

एक-दो नहीं बल्कि 33 मासूमों का किया रेप, वीडियो बना कर बेंचे

» बांदा का यह मामला देश के भीतर छिपे उस स्याह सच को सामने लाता है जिसे देखने से समाज अक्सर डरता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनिया अभी जैफरी एपस्टीन की काली फाइलों के खौफ से बाहर नहीं निकली पायी थी कि उत्तर प्रदेश के बांदा से आयी इस खबर ने साबित कर दिया कि दरिंदगी की कोई सीमा नहीं होती। न भूगोल न भाषा न समाज। यह मामला सिर्फ एक अपराध नहीं बल्कि उस अंधेरे का खुला दरवाजा है जहां मासूमियत को फंसाया गया कैमरों में कैद किया गया और फिर बाजार में बेचा गया।

जैसे इंसान नहीं कोई वस्तु हों। यह कहानी किसी हालीवुड थ्रिलर की स्क्रिप्ट नहीं बल्कि भारत की जमीन पर घटित वह सच्चाई है जिसने जांच एजेंसियों तक को झकझोर दिया। एक सरकारी विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर बैठा व्यक्ति जिसे समाज इंजीनियर साहब कहता था दरअसल मासूम बच्चों के जीवन का जल्लाद निकला। उसके साथ उसकी पत्नी जो जीवन की साथी कहलाती है इस भयावह अपराध की बराबर की साझेदार बनी। दोनों ने मिलकर भरोसे को जाल बनाया मासूमियत को शिकार बनाया और फिर कैमरे को हथियार बना दिया।

सिर्फ आरोपियों को सजा

यह फैसला एक सवाल भी छोड़ता है? क्या भारत में एपस्टीन जैसी और फाइलें अभी भी छिपी हैं? क्या यह सिर्फ एक मामला है या उस अंधेरे साम्राज्य की एक झलक जिसकी जड़ें हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा गहरी हैं? क्योंकि सच यही है जब अपराधी घर के अंदर छिपे हों तो समाज का हर दरवाजा शक के घेरे में आ जाता है।

इंजीनियर निकला जल्लाद

मासूमों के साथ सेक्स करने के बाद बेचता था वीडियो

टीम बना कर हुई जांच

जांच के दौरान फोरेंसिक एक्सपर्ट्स बच्चों के यौन शोषण के मामलों से निपटने वाले मेडिकल एक्सपर्ट्स और चाइल्ड प्रोटेक्शन अथारिटीज के साथ आसानी से तालमेल बिठाया गया जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने 10 फरवरी 2021 को आरोपी रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती के खिलाफ चार्जशीट फाइल की।

पेन ड्राइव ने उगले राज

इस नरक का खुलासा तब हुआ जब एक पेनड्राइव ने वह राज उगला जिसे सुनकर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टीगेशन तक सन्न रह गई। उस छोटी सी डिवाइस में 34 बच्चों के वीडियो और 679 तस्वीरें थीं। हर फ्रेम में एक चीख हर सेकंड में एक टूटता बचपन। यह सिर्फ डिजिटल फाइल नहीं थी यह भारत के सामाजिक ढांचे पर लगा वह खून का धब्बा था जिसे मिटाना आसान नहीं है। इस मामले की जड़ें भारत की सीमाओं से भी बाहर जाती दिखीं। शिकायत इंटरपोल के जरिए यह संकेत देती हुई दर्ज हुई कि

यह अपराध सिर्फ स्थानीय विकृति नहीं बल्कि उस वैश्विक अंडरग्राउंड नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है जो बच्चों की अस्मिता को व्यापार में बदल देता है। ठीक वैसे ही जैसे एपस्टीन की फाइलों ने दुनिया के शक्तिशाली लोगों की परतें उधेड़ी। बांदा का यह मामला भारत के भीतर छिपे उस स्याह सच को सामने लाता है जिसे देखने से समाज अक्सर डरता है। पास्को कोर्ट ने इस अपराध को दुर्लभतम में दुर्लभ मानते हुए आरोपी दंपति को मौत की सजा सुनाई। यह फैसला सिर्फ दो अपराधियों की सजा नहीं बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ युद्ध की घोषणा है जो बच्चों को शिकार समझती है। अदालत ने यह भी माना कि यह अपराध इंसानियत के खिलाफ युद्ध जैसा है। जहां हर वीडियो एक हत्या के बराबर था भले ही शरीर जिंदा रहा हो।

एपस्टीन जैसे हालत किये रामभवन ने

केस की जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने 33 बच्चों के खिलाफ गंभीर यौन हमले समेत कई तरह के गलत काम किए। जिनमें से कुछ की उम्र महज तीन साल थी। जांच में यह भी पता चला कि कुछ पीड़ितों के प्राइवेट पार्ट्स पर यौन हमले के दौरान चोटें आई थीं। उनमें से कुछ अभी भी हास्पिटल में भर्ती हैं। पीड़ित अभी भी दरिंदों की वजह से हुए साइकोलॉजिकल ट्रामा से जूझ रहे हैं। दरिंदे साल 2010 से 2020 के बीच उत्तर प्रदेश के बांदा और चित्रकूट के इलाके में एक्टिव रहे। आरोपी रामभवन सिंचाई विभाग में जूनियर इंजीनियर के तौर पर काम कर रहा था। आरोपी बच्चों पर आनलाइन वीडियो गेम्स का एक्सेस और उन्हें लुभाने के लिए पैसे/गिफ्ट देने जैसे अलग-अलग तरीके अपनाता था।

सरकार को देना होगा पीड़ितों को 10 लाख का मुआवजा

उत्तर प्रदेश के बांदा में पोक्सो मामलों के स्पेशल जज की कोर्ट ने दोनो आरोपियों रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को इंडियन पीनल कोड और पोक्सो एक्ट के तहत अलग-अलग अपराधों के लिए मौत की सजा सुना दी है। दोनों को बच्चों से गंभीर सेक्सुअल अपराध पोर्नोग्राफिक मकसद के लिए बच्चों का इस्तेमाल बच्चों से जुड़ी पोर्नोग्राफिक सामग्री

का स्टोरेज जैसे बेहद गंभीर मामलों में दोषी पाया। ट्रायल कोर्ट ने सरकार द्वारा हर पीड़ित को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि आरोपियों के घर से जब्त की गई कैश रकम पीड़ितों में बराबर बांटी जाए। सेंट्रल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन ने 31 सितंबर 2020 को आरोपी रामभवन और दूसरे अनजान लोगों के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण पोर्नोग्राफिक मकसद के लिए बच्चों का इस्तेमाल और इंटरनेट पर बच्चों के यौन शोषण का मटीरियल बनाने और फैलाने के आरोपों में केस दर्ज किया।

कार्यकाल के आखिरी साल में मनसुख पर्यटन चला रहे हैं सीएम : अखिलेश

» सीएम के जापान दौरे पर सपा प्रमुख का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मौजूदा कार्यकाल के आखिरी साल में मनसुख-पर्यटन चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि खैर, अब उनके कार्यकाल के अंतिम पड़ाव में, उनके आखिरी साल में कौन कह सकता है कि हम जापान का ठीक से अध्ययन भी कर पाएंगे, किसी ठोस योजना को तैयार करना तो दूर की बात है।

यह मुख्यमंत्री का मनसुख-पर्यटन है अगर वे इसे स्वीकार करते हैं, तो कम से कम लोग उन्हें जाने से पहले एक सच बोलने के लिए याद रखेंगे। क्या वे सिर्फ वनस्पति के विशेष अध्ययन का निजी लाभ उठाएंगे, या इसे अपने करीबियों के साथ भी साझा करेंगे? यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि अगस्त-सितंबर 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान वाराणसी और क्योटो के बीच एक पार्टनर सिटी संबद्धता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते में संस्कृति, कला, शिक्षा, विरासत संरक्षण और शहर के आधुनिकीकरण को सहयोग के संभावित क्षेत्रों के रूप में संदर्भित किया गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत अल्पसंख्यकों और पिछड़े समुदायों को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जा रहा है और कहा कि पार्टी ने इस मुद्दे को उठाने के लिए चुनाव आयोग से समय मांगा है।

चुनाव आयोग उन लोगों को ही नोटिस भेजे जा रहा जो पढ़ाई-लिखाई नहीं समझ पाते

पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से समय मांगा है और जैसे ही हमें समय मिलेगा, हमारा प्रतिनिधिमंडल जाएगा। क्योंकि केवल मुसलमानों, पिछड़े वर्गों, दलितों, आदिवासियों और विशेष रूप से उन लोगों को ही नोटिस भेजे जा रहे हैं जो पढ़ाई-लिखाई नहीं समझ पाते और पिछड़े वर्ग के हैं। इस बीच, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उत्तर प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 3 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी है।

विरासत संरक्षण और शहरों के विकास के सकारात्मक सबक लेकर जापान से लौटें सीएम

अखिलेश ने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री को अपनी आगामी जापान यात्रा में क्योटो जरूर जाना चाहिए और समझना चाहिए कि सरकार वाराणसी का विकास उसी तर्ज पर क्यों नहीं कर पाई। एक्स पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा कि अगर आप जापान जा रहे हैं, तो क्योटो जरूर जाएं, ताकि आप समझ सकें कि प्रधान-संसदीय क्षेत्र काशी क्योटो जैसा क्यों नहीं बन पाया या इसकी विरासत कैसे धूमिल हुई। विरासत संरक्षण और शहरों के विकास के सकारात्मक सबक लेकर जापान से लौटें।

कांग्रेस विधायक रीटा चौधरी ने सीएम भजनलाल पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शनिवार को राजस्व विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान महवा से कांग्रेस विधायक रीटा चौधरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सदन में दावा करते हैं कि वे पक्ष और विपक्ष, दोनों के विधायकों से मिलते हैं तथा किसी का फोन आने पर जवाब अवश्य देते हैं, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

रीटा चौधरी ने कहा कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर कई बार मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को फोन कर चुकी हैं, लेकिन उन्हें कभी कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि सरकार के पहले साल के बजट के दौरान जब उन्होंने मुख्यमंत्री को फोन किया, तो करीब आधे घंटे बाद उनका फोन वापस आया। इस दौरान उन्होंने मुलाकात का समय मांगा, जिस पर उन्हें सीएमओ बुलाया गया। जब वे सीएमओ पहुंचीं तो वहां कई भाजपा विधायक और आरएसएस से जुड़े लोग बैठे हुए थे और गीता उपदेश पर चर्चा चल रही थी। पूर्ववर्ती सरकार में मुख्यमंत्री सबसे पहले विपक्ष की बात सुनते थे, लेकिन यहां उन्हें सबसे आखिर में बुलाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब अंतत: उन्हें बुलाया गया तो मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि वे किस विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। जब उन्हें यह तक नहीं पता कि मैं कहां से विधायक हूं, तो मैं उन्हें क्या काम बताती? मैं व्यक्तिगत कार्य से नहीं, बल्कि जनसमस्याओं को लेकर गई थी। रीटा चौधरी ने अपनी विधानसभा क्षेत्र में नियुक्त प्रभारी मंत्री पर भी गंभीर आरोप लगाए।

सबका हाल पूछने वाले सीएम को एमएलए का पता ही नहीं

पंजाब में सिद्धू-वड़िंग फिर टकराए

» नवजोत कौर बोलीं-जीरकपुर की 100 एकड़ जमीन खरीदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस से निष्कासित नेता नवजोत कौर सिद्धू ने प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि वडिंग ने जीरकपुर में 100 एकड़ जमीन खरीदी, जिसमें से 60 एकड़ जमीन फर्जी हस्ताक्षर और अंगूठे लगवाकर निर्दोष लोगों से अवैध तरीके से छीनी गई है।

नवजोत कौर ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि वडिंग अदालत में आकर जवाब दें कि इतनी बड़ी जमीन कैसे खरीदी गई। उन्होंने 2400 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का भी जिक्र करते हुए कहा कि मामले में जवाब देने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने वडिंग पर युवाओं को लूटने का आरोप लगाया। कांग्रेस से जुड़ने वाले युवाओं से 75 रुपये की सदस्यता फीस ली जा रही है और इससे करोड़ों रुपये एकत्र किए जाएंगे। उधर, वडिंग ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह ऐसे व्यक्ति पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझते, जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

कुछ लोग विधायक बनते ही राजनीति का पूरा ज्ञान होने का भ्रम पाल लेते हैं : तेजस्वी

» गायिका से राजनेता बनीं मैथली के धृतराष्ट्र वाले बयान पर घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति में इन दिनों शब्दों के बाणों से महाभारत छिड़ी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गायिका से राजनेता बनीं मैथली ठाकुर की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई है।

हालांकि तेजस्वी ने अपने आधिकारिक बयान में सीधे तौर पर नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी फोटो साझा करते हुए जो हमला बोला, उससे साफ है कि निशाना किधर था। विधानसभा में बोलते हुए ठाकुर ने परोक्ष रूप से राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव के प्रति स्नेह की तुलना महाभारत कालीन हस्तिनापुर के राजा धृतराष्ट्र के पुत्र दुर्योधन के प्रति स्नेह से की। हालांकि उन्होंने प्रसाद, यादव या उनकी पार्टी का नाम नहीं लिया, लेकिन "2005 से पहले का बिहार" का जिक्र कर अपने इशारों से स्पष्ट कर दिया कि वह पूर्ववर्ती राजद के शासन की आलोचना कर रही हैं। यादव ने अपने पोस्ट में लिखा, "कुछ लोग विधायक बनते ही राजनीति का पूरा ज्ञान होने का भ्रम पाल लेते हैं। विधायिका की बुनियादी बातें समझे बिना ही उनमें एक जननायक के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का दुस्साहस आ जाता है। मैथिली ठाकुर द्वारा 2005 से पहले के बिहार की याद दिलाना राजद के लिए हमेशा से एक कमजोर नस रही है, जिसे भाजपा और उसके सहयोगी दल अक्सर चुनावी मुद्दा बनाते हैं। मैथली ठाकुर, जो अपनी गायकी से घर-घर में लोकप्रिय हुईं और हाल ही में राजनीति में कदम रखा है, उनके इस बयान ने बिहार की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है। जहाँ राजद इसे अपने नेता का अपमान बता रहा है, वहीं विरोधी खेमा इसे कड़वा सच करार दे रहा है। देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में यह जुबानी जंग और कितनी तेज होती है।

जननायक का अपमान

तेजस्वी ने लालू प्रसाद यादव को जननायक बताकर यह संदेश दिया कि उन पर की गई कोई भी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायिका का अनुभव तेजस्वी ने मैथिली ठाकुर के राजनीतिक अनुभव पर सवाल उठाते हुए उन्हें नौसिखिया करार देने की कोशिश की है।

बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ अनुचित और अन्यायपूर्ण है : चंद्रशेखर आजाद

» यूपी में बिजली बिलों पर फ्यूल सरचार्ज पर भड़के सांसद, योगी सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। उत्तर प्रदेश में बिजली के बिलों पर दस परसेंट फ्यूल सरचार्ज लगाए जाने पर आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने तीखा हमला किया है। उन्होंने अतिरिक्त चार्ज पर लगाए जाने पर नाराजगी जताई और कहा कि इसकी वजह से सामान्य लोगों के लिए बिजली का बिल भरना भी मुश्किल हो गया है।

चंद्रशेखर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- उत्तर प्रदेश में बिजली बिलों पर 10 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज और एफपीपीए चार्ज के नाम पर की जा रही अतिरिक्त वसूली अब गंभीर जनचिंता का विषय बन चुकी है। महंगाई के इस दौर में घरेलू उपभोक्ताओं, छोटे व्यापारियों और उद्योगों पर अचानक डाला गया यह अतिरिक्त बोझ अनुचित और अन्यायपूर्ण है। जिन दरों पर बिजली खरीदी जा रही है, उससे कई गुना अधिक मूल्य पर बेची जा रही है। ऐसी आवश्यक सेवा में सीमित लागत वृद्धि का पूरा भार सीधे उपभोक्ताओं पर डालना अनुचित है। बिजली विभाग पहले से ही ऊँची दरें वसूल रहा है, इसलिए अतिरिक्त लागत का समायोजन प्रबंधन सुधार और कार्यकुशलता बढ़ाकर किया जाना चाहिए, न कि सीधे जनता पर बोझ डालकर प्रदेश में ऐसे अनेक परिवार हैं, जिनके लिए सामान्य बिजली बिल जमा करना भी कठिन होता है। लोग अपने जरूरी खर्चों में कटौती करके बिल भरते हैं, फिर भी उन्हें अतिरिक्त सरचार्ज से कोई राहत नहीं दी गई। यह व्यवस्था की संवेदनहीनता को दर्शाता है। बिना पारदर्शी सूचना के बिलों में ईंधन एवं बिजली अधिभार/एफपीपीए चार्ज जोड़कर हजारों रुपये की अतिरिक्त राशि वसूलना उपभोक्ता अधिकारों के खिलाफ है। छोटे उपभोक्ताओं पर यह अतिरिक्त बोझ अस्वीकार्य है।

चंद्रशेखर ने यूपी सरकार के सामने अपनी मांगे रखी

1. 10 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज को तुरंत वापस या स्थगित किया जाए।
2. छोटे उपभोक्ताओं और एमएसएमई इकाइयों को विशेष राहत दी जाए।
3. बिल निर्धारण और अधिभार की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाए।
4. विद्युत वितरण कंपनियों के पास जमा अधिशेष धन से उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। बिजली आवश्यक सेवा है – अतिरिक्त वसूली का माध्यम नहीं।

विस चुनाव से पहले एनडीए को मिला तनाव

तमिलनाडु व बंगाल में बीजपी को करारा झटका

» डीएमके ने डीएमडीके के साथ किया गठबंधन

» भाजपा विधायक ने थामा टीएमसी का हाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण में तमिलनाडु व पूर्व में पश्चिम बंगाल में विस चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई। भाजपा जहां दोनो राज्यों में अपने पांव और तेजी से पसारने की कोशिश कर रही है। वहीं बंगाल में टीएमसी व तमिलनाडु में डीएमके उसकी जमीन खिसकाने में जुटी है। कुछ हद तक दोनों राज्यों में भाजपा को झटका लगा है। जहां तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले, डीएमडीके ने एआईएडीएमके का साथ छोड़कर सत्तारूढ़ डीएमके के साथ गठबंधन कर लिया है, जिसे एनडीए के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

इस नए समीकरण से डीएमके की चुनावी स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है, जबकि एआईएडीएमके ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। वहीं बंगाल में (भाजपा) के विधायक बिष्णु प्रसाद शर्मा ने कोलकाता के तृणमूल भवन में वरिष्ठ टीएमसी नेताओं की उपस्थिति में पार्टी में शामिल होकर पार्टी को झटका दिया। इसी बीच, भाजपा ने आगामी चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। 7 फरवरी को शुरू किए गए अपने घोषणापत्र प्रचार अभियान, बिकौस्त पश्चिम बंगाल संकल्प पत्र, विचार संग्रह अभियान का उद्देश्य नागरिकों की आकांक्षाओं को जानना है। उधर बंगाल में बीजेपी ने अपना अभियान चलाया है उसका कहना है कि इसका उद्देश्य 15 वर्षों के शोषणकारी शासन, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को समाप्त करके एक पारदर्शी, रोजगार-केंद्रित पश्चिम बंगाल की स्थापना करना है। प्रमुख लक्ष्यों में प्रवासी श्रमिकों को वापस लाना और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए स्थानीय रोजगार सृजित करना शामिल है। भाजपा ने कहा, आपका विचार, हमारा संकल्प; आपकी आकांक्षा, हमारा मार्ग; आपका सपना, हमारी प्रतिबद्धता, और धर्म या जाति की परवाह किए बिना सभी निवासियों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

काले-लाल झंडे के साथ उनका आगमन तमिलनाडु की प्रगति और समृद्धि को और मजबूत करेगा

उन्होंने प्रेमलता से कहा कि काले-लाल झंडे के साथ उनका आगमन तमिलनाडु की प्रगति और समृद्धि को और मजबूत करेगा। प्रेमलता ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा के अनुसार, उनके पति के जीवित रहते ही गठबंधन बन जाना चाहिए था। इस कदम को डीएमके के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि डीएमडीके 2011 से अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमडीके) की सहयोगी रही है।

तिरुचिरापल्ली और पुदुक्कोट्टई के आसपास के मध्य जिलों में डीएमडीके का मजबूत

तिरुचिरापल्ली और पुदुक्कोट्टई के आसपास के मध्य जिलों में डीएमडीके का मजबूत समर्थन है। 2011 में इसने 29 सीटें जीतीं और 7.9 प्रतिशत वोट हासिल किए, लेकिन 2016 और 2021 में एक भी सीट जीतने में असफल रही। कुड्डालोर जिले के विरुधाचलम और विलुप्पुरम के ऋषिवंदियम, कल्लकुरुची और उलुंदुरपेट के साथ-साथ डीएमडीके के गढ़ माने जाते हैं। डीएमके ने 2016 से ऋषिवंदियम पर कब्जा जमा रखा है, लेकिन विरुधाचलम पर पिछले तीन दशकों से जीत हासिल नहीं की है। इस गठबंधन से डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिसमें वर्तमान में कांग्रेस भी शामिल है, और इससे प्रतिद्वंद्वी खेमे के वोट शेयर में सेंध लगेगी। एआईएडीएमके ने इस फैसले की आलोचना की है। पूर्व लोकसभा सांसद और चार बार के विधायक एस सेम्मलाई ने कहा कि विजयकांत की आत्मा इस फैसले को माफ नहीं करेगी।

तृणमूल भवन में वरिष्ठ टीएमसी नेताओं की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए बिष्णु प्रसाद

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले, कुर्सियों विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बिष्णु प्रसाद शर्मा गुरुवार को सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए। शर्मा ने कोलकाता के तृणमूल भवन में वरिष्ठ टीएमसी नेताओं की उपस्थिति में पार्टी में शामिल होकर पार्टी को झटका दिया।

स्टालिन से मुलाकात के बाद फैसला

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) ने अप्रैल या मई में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए देसीया मुरपोक्कू द्रविड़ कज़गम (डीएमडीके) के साथ गठबंधन कर लिया है, जो एनडीए के लिए एक बड़ा झटका है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद डीएमडीके नेता प्रेमलता विजयकांत ने एक्स पर इस गठबंधन की पुष्टि की। तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आइए द्रविड़ शासन प्रणाली को जारी रखने और तमिलनाडु को हर तरह से प्रगति दिलाने के लिए मिलकर आगे बढ़ें। उन्होंने आगे कहा कि सीटों के बंटवारे का विवरण बाद में घोषित किया जाएगा, लेकिन गठबंधन को 200 से अधिक सीटें मिलेंगी। स्टालिन ने डीएमडीके का स्वागत किया और इसके संस्थापक विजयकांत, जिन्हें लोकप्रिय रूप से कैप्टन के नाम से जाना जाता था, को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा ने आगामी चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर अपनी तैयारियां तेज की

इसी बीच, भाजपा ने आगामी चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। 7 फरवरी को शुरू किए गए अपने घोषणापत्र प्रचार अभियान, बिकौस्त पश्चिम बंगाल संकल्प पत्र, विचार संग्रह अभियान का उद्देश्य नागरिकों की आकांक्षाओं को जानना है। यह अभियान, जो फरवरी के अंत तक समाप्त होगा, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, व्यापारियों, शिक्षकों, डॉक्टरों, छात्रों, गृहिणियों, किसानों, बंगाली प्रवासी और समाज के अन्य वर्गों से सुझाव मांग रहा है। पार्टी कार्यकर्ता हर बूथ और घर जाकर लोगों की शिकायतें और अपेक्षाएं सुन रहे हैं, और भाजपा को एक परिवार मानकर सभी से जुड़ रहे हैं। अभियान के उद्देश्यों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि किसान के हल से लेकर युवा के स्टार्टअप तक, हर सपना भविष्य की योजना को साकार करने में योगदान दे। भाजपा का मानना है कि यह एक सामाजिक अनुबंध है, न कि केवल एक राजनीतिक वादा। नागरिक 9727 294 294 पर कॉल करके, ईमेल भेजकर, क्यूआर कोड स्कैन करके या निर्धारित हैशटैग का उपयोग करके अपने सुझाव दे सकते हैं। लिखित प्रस्तावों के लिए प्रत्येक जिले में आकांक्षा संग्रह बक्शो (आकांक्षा पेटी) स्थापित किए गए हैं। अब तक 25 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हो चुके हैं और पार्टी को उम्मीद है कि फरवरी के अंत तक 5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त होंगे, जिनमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। भाजपा नेता अनिर्बन गांगुली ने एएनआई को बताया कि इस अभियान में बंगाली प्रवासी समुदाय, वैज्ञानिकों, विद्वानों और अन्य लोगों के साथ ऑनलाइन परामर्श, कोलकाता में टाउन हॉल बैठकें और सार्वजनिक परामर्श, साथ ही किसानों और मछुआरों के साथ बैठकें भी शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए तमिलनाडु में राज्यसभा चुनाव समय से पहले करा दिए

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए तमिलनाडु में राज्यसभा चुनाव समय से पहले करा दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह आंतरिक सर्वेक्षणों से अवगत हैं, जिनमें अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके) की घटती संभावनाओं को दर्शाया गया है। इससे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को फिलहाल केवल दो सीटें ही मिल सकती हैं, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद एक भी सीट न

मिलने का खतरा है।टैगोर ने एक पोस्ट में एआईएडीएमके नेताओं के बीच गठबंधन की बातचीत को खारिज करते हुए भविष्यवाणी की कि उनका वोट शेयर 20 प्रतिशत से नीचे रहेगा और वे तीसरे स्थान पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह तमिलनाडु की स्थिति से अनभिज्ञ होने का नाटक कर सकते हैं... लेकिन क्या सभी आंतरिक सर्वेक्षणों के नतीजे उनकी मेज पर नहीं हैं? मैंने एक नमूना संलग्न किया है। इसीलिए 2026 के विधानसभा चुनावों का इंतजार किए बिना राज्यसभा चुनाव जल्दी कराने की होड़ लगी है। कारण सीधा सा है, अब हम किसी तरह दो राज्यसभा सीटें तो हासिल कर ही सकते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या होगा अगर चुनाव के बाद हमें एक भी सीट न मिले? नैनार नागेंद्रन (भाजपा प्रदेश अध्यक्ष) और एडप्पाडी के. पलानीस्वामी (एआईएडीएमके) कहते हैं कि अगर वे गठबंधन कर लें तो एक बड़ी लहर आएगी... लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या वे 2026 में 20 प्रतिशत वोट भी पार कर पाएंगे! एआईएडीएमके का तीसरा स्थान अब चौंकाने वाली खबर नहीं रही - यह धीरे-धीरे राजनीतिक वास्तविकता बनती जा रही है। तमिलनाडु की जनता को राजनीतिक लेखा-जोखा में नहीं गिना जा सकता। एक बार जब वे अपना फैसला कर लेते हैं, तो कोई भी आपातकालीन योजना उसे बदल नहीं सकती।

भारत सरकार श्रीलंकाई सरकार से बात करे

बड़े तमिल नेता वाइको ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को संसद में तारांकित प्रश्नों के माध्यम से उठाया था और मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को श्रीलंकाई सरकार की निंदा करनी चाहिए और उन्हें इन हमलों को रोकने के लिए आधिकारिक रूप से सूचित करना चाहिए। वाइको ने आगे कहा कि तमिलनाडु के मछुआरे भारत के नागरिक हैं। अगर गुजरात के मछुआरों की इस तरह हत्या की जाती, तो सोचिए कितनी कड़ी कार्रवाई की जाती। इसलिए, केंद्र सरकार की कार्रवाई अप्रत्यक्ष रूप से श्रीलंका सरकार की आपराधिक हिंसा का समर्थन करती प्रतीत होती है। इन कृत्यों के बावजूद, भारतीय सरकार का आचरण उनके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने और उन्हें प्रोत्साहित करने की ओर इशारा करता है। केंद्र सरकार को निशाना बनाते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना को श्रीलंका नौसेना को समुद्री क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकना चाहिए। उन्होंने श्रीलंका के प्रति केंद्र सरकार के रवैये की भी आलोचना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान श्रीलंकाई नेता महिंदा राजपक्षे को आमंत्रित किए जाने पर अपने विरोध का जिक्र किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

असली विकास तब जब होगा मानव विकास

सरकारें विकास की बड़ी-बड़ी बातें करती हैं। पर विकास ऊंची-ऊंची इमारतें, सड़के ही हैं ये एक मिथक है। असली विकास मानव विकास है। आज जब हम एआई की बात करते हैं ऐसे में समानता के नाम पर अराजकता और विकास के नाम पर गड्ढों में मरते लोगों की खबरें सुनकर इस विकास पर तरस आता है। सरकारें ये क्यों नहीं सोचतीं कि आंकड़े विकास के हैं पर वह कागजी है। बहस आर्थिक प्रगति के महत्व को नकारने की नहीं, बल्कि विकास की परिभाषा को इस तरह बदलने की है ताकि अर्थव्यवस्था इंसान की सेवा करे, न कि इंसान केवल अर्थव्यवस्था का साधन बनकर रह जाए। आर्थिक विकास निश्चित रूप से अवसरों के नए द्वार खोलता है। उत्पादन में वृद्धि, तकनीकी नवाचार और मजबूत बाजार रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, आधारभूत संरचना को बेहतर बनाते हैं और आय को बढ़ाते हैं। बड़े शहरों में बढ़ता प्रदूषण, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में वृद्धि और इलाज की बढ़ती लागत यह दिखाती है कि विकास की वर्तमान दिशा में कई कमियां हैं।

जब आर्थिक सफलता के साथ पर्यावरणीय क्षति और स्वास्थ्य संबंधी असुरक्षा भी बढ़े, तो यह विकास की स्थिरता पर सवाल खड़े करता है। ऐसा विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाए, अंतत: आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए आवश्यक है कि अल्पकालिक लाभों की जगह दीर्घकालिक और मानव-केंद्रित विकास दृष्टि को अपनाया जाए। विकास की चर्चा में रोजगार की गुणवत्ता भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। करोड़ों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठे, शहरों का विस्तार हुआ और भारत विश्व अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा। ये उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि किसी भी देश के लिए मजबूत आर्थिक आधार के बिना सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करना संभव नहीं होता। फिर भी, चुनौती यह है कि विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहे हैं और आर्थिक आंकड़ों तथा आम नागरिकों के वास्तविक जीवन अनुभवों के बीच एक बड़ा अंतर दिखाई देता है। आज भी अनेक लोग स्वच्छ हवा, सुरक्षित पेयजल, पौष्टिक भोजन, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। तेज आर्थिक वृद्धि हमेशा पर्याप्त और स्थायी रोजगार में परिवर्तित नहीं होती। कई बार अर्थव्यवस्था बढ़ती है, लेकिन रोजगार उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाते, जिसे जॉबलेस ग्रोथ कहा जाता है।

“ बहस आर्थिक प्रगति के महत्व को नकारने की नहीं, बल्कि विकास की परिभाषा को इस तरह बदलने की है ताकि अर्थव्यवस्था इंसान की सेवा करे, न कि इंसान केवल अर्थव्यवस्था का साधन बनकर रह जाए। आर्थिक विकास निश्चित रूप से अवसरों के नए द्वार खोलता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कल्पना नहीं, हकीकत है एआई की भारतीय दौड़

प्रमोद जोशी

दिल्ली में गलगोटिया विवि के ह्यूमेनोइड रोबोटिक डॉगज और ड्रोन सॉकर एरीनाज के कारण हुई फजीहत के बाद कुछ लोग पूछ रहे हैं कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत वास्तव में क्या कुछ कर भी पाएगा? हमारे पास उसके लिए पर्याप्त तकनीकी आधार और टेलेंट है भी या नहीं? बहरहाल, इस घटना ने सरकार समर्थित टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्मों पर स्वदेशी नवाचार की गलत व्याख्या की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। सोशल-मीडिया के लिए ऐसी घटनाएं चटपटे मसाले की तरह होती हैं, कुछ समय तक याद रहती हैं और फिर बिसरा दी जाती हैं। बहरहाल, इस घटना ने हमें इसकी उपयोगिता और अपनी उपलब्धियों पर विचार करने की सलाह दी है। इसके पहले जनवरी में दावोस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा की इस टिप्पणी को लेकर भी विवाद हुआ था कि भारत सेकंड-टियरज एआई पॉवर है।

राजनीति-शास्त्री आयन ब्रेमर ने भी इस बात का हवाला देते हुए कहा था कि नए उभरते देशों को अमेरिका या चीन के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। इन दोनों बातों का तीखा जवाब देते हुए भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत एआई देशों की साफ पहली कतारज में है। उन्होंने एआई आर्किटेक्चर की पांच परतों के रूप में वर्णित भारत की प्रगति का विवरण दिया एप्लिकेशन, मॉडल, चिप, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा के सभी पांच स्तरों पर भारत अच्छी प्रगति कर रहा है। उन्होंने स्टैनफर्ड विवि की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें भारत को एआई प्रवेश और तैयारियों में तीसरे स्थान पर और वैश्विक स्तर पर एआई प्रतिभा में दूसरे स्थान पर रखा गया है। बाद में आईएमएफ की अधिकारी ने इस विवाद को ठंडा करते हुए कहा कि संगठन भारत की एआई प्रगति के लिए भारी प्रशंसा करता है। उन्होंने इस गलतफहमी के लिए मॉडरेटर को दोषी ठहराया। अंतरिक्ष-विज्ञान, कंप्यूटिंग-सॉफ्टवेयर, बायोटेक्नोलॉजी, सेमी कंडक्टर, एआई और डेटा साइंस जैसी तकनीकों को हाईटेक माना जाता है।

इनका इस्तेमाल चिकित्सा (ईएचआर सिस्टम), विनिर्माण (रोबोटिक्स) और अनुसंधान (लैब डायग्नोस्टिक) के अलावा रक्षा-तकनीक और अंतरिक्ष-विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रमुखता से होता है। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी की 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रैंकिंग में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है, जो लंबी छलांग है। नवंबर में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत एक साल में ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और जापान को पीछे छोड़ते हुए, चार पायदान ऊपर चढ़ गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नीति और शासन श्रेणी में भारत पांच पायदान फिसला भी है, जिस पर ध्यान देने की ज़रूरत है। भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि दुनिया भर की सरकारें एआई निवेश बढ़ा रही हैं कनाडा ने 2.4 अरब डॉलर, चीन ने 47.5 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर फंड लॉन्च किया है, फ्रांस ने 109 अरब यूरो का वादा किया है, भारत ने 1.25 अरब डॉलर की घोषणा की है, और सऊदी अरब का प्रोजेक्ट ट्रांसेंडेंस 100 अरब डॉलर के व्यापक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। इन देशों के निवेश का कुछ हिस्सा भारत भी आएगा, क्योंकि भारत एआई के बड़े बाज़ार के रूप में विकसित हो रहा है। इसकी एक झलक दिल्ली में हुए एआई शिखर सम्मेलन में देखने को मिली, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई लीडर शामिल हुए हैं। ग्लोबल साउथ में यह पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पेरेज-कास्टेजोन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के अलावा ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मुकेश अंबानी और माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ जैसे बड़े औद्योगिक पदाधिकारी शामिल थे।

इससे पहले ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में ऐसे सम्मेलन हो चुके हैं। बेशक भारत के पास अभी एआई की उन्नत विनिर्माण-सामर्थ्य नहीं है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक चिप्स का उत्पादन हमारे यहां अभी नहीं हो रहा है, पर देश का सेमीकंडक्टर मिशन बहुत तेजी से गति पकड़ रहा है, जो चिप्स उपलब्ध कराएगा। एआई का मतलब केवल चिप्स निर्माण नहीं है। टेक्नोलॉजी का निर्माण करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी।

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी मौसम अनुकूल खेती

जलवायु बदलाव के चलते फरवरी में तापमान सामान्य से ज्यादा हो रहा है। इसका प्रभाव गेहूं आदि रबी फसलों व आम की पैदावार पर है। यानी खाद्य सुरक्षा संकट में है। इसका समाधान 'क्लाइमेट स्मार्ट कृषि' में निहित है। यानी इसमें मल्चिंग, माइक्रो सिंचाई व 'हीट टॉलरेंट' किस्में मददगार होंगी।

पंकज चतुर्वेदी

फरवरी का महीना आमतौर पर गुलाबी ठंड और वसंत की मंद बयार का प्रतीक माना जाता रहा है। यह वह समय होता है जब रबी की फसलें और आम के बगीचे अपने यौवन पर होते हैं। लेकिन साल 2026 की यह फरवरी डराने वाली है। फरवरी के मध्य में ही देश के एक बड़े हिस्से में पारा 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है, जो सामान्य से करीब 5 से 7 डिग्री अधिक है। यह केवल एक मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि 'ग्लोबल वार्मिंग' का वह क्रूर चेहरा है जो सीधे हमारी थाली और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रहार कर रहा है। जलवायु परिवर्तन का सबसे घातक प्रहार हमारी खाद्य सुरक्षा और 'फलों के राजा' आम पर हो रहा है। रबी की मुख्य फसल गेहूं के लिए फरवरी का दूसरा पखवाड़ा 'ग्रैन फिलिंग' यानी बालियों में दाना भरने की अवस्था का होता है।

इस नाजुक दौर में अचानक बढ़ी गर्मी थर्मल स्ट्रेस पैदा कर रही है। जब तापमान 30 डिग्री के ऊपर बना रहता है, तो पौधों के भीतर चयापचय की प्रक्रिया असामान्य रूप से तेज हो जाती है और दाना पूरी तरह विकसित होने से पहले ही सख्त होने लगता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में फोर्स्ड मेच्योरिटी कहा जाता है। परिणामस्वरूप, दाना छोटा, हल्का और झुर्रियों वाला रह जाता है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि तापमान में इसी तरह की वृद्धि जारी रही, तो गेहूं की पैदावार में प्रति हेक्टेयर 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। सागर और औरैया के खेतों से आ रही रिपोर्टें बताती हैं कि गेहूं की बालियां समय से पहले सफेद पड़ रही हैं, जो सीधे तौर पर किसान की साल भर की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आम का पुष्पन जाड़े के अंत और वसंत की शुरुआत में स्थिर तापमान और मध्यम आर्द्रता में होता रहा है। किंतु तापमान की वर्तमान अनिश्चितता ने इस प्रक्रिया को 'रोलर-कोस्टर' बना दिया है। इसके विपरीत, यदि अचानक तापमान गिरता है, तो फूलों का खुलना असमान हो जाता है।

सुबह की अत्यधिक नमी फफूंदजनित रोगों का जोखिम बढ़ा रही है, जबकि दोपहर की शुष्क हवा पराग के अंकुरण को बाधित कर रही है। नतीजा यह है कि या तो फूल गिर रहे हैं, या निषेचन के बाद भी फल टिक नहीं पा रहे हैं। आमतौर पर सर्दियों में होने वाली 'मावट' या बारिश फसलों के लिए अमृत समान होती थी, लेकिन इस साल शुष्कता और बढ़ती गर्मी ने मिट्टी की नमी को सोख लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में फरवरी के महीने में लू जैसी स्थितियों की आवृत्ति बढ़ी है। इस पैटर्न में भारत के मौसम चक्र से 'वसंत' ऋतु धीरे-धीरे गायब हो रही है। इसका असर केवल गेहूं और आम पर ही नहीं, बल्कि सरसों और दलहन पर भी पड़ रहा है। सरसों की फलियों में तेल की मात्रा कम होने की आशंका है और चने के पौधों में फूल समय से पहले ही झड़ रहे हैं। इस विकट परिस्थिति का निदान अब केवल पारंपरिक खेती के ढर्रे पर चलकर संभव नहीं है।

हमें 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर' यानी जलवायु-अनुकूल कृषि की ओर युद्धस्तर पर बढ़ना होगा। मिट्टी की नमी बचाने के लिए गन्ने की सूखी पत्तियों, भूसे या सूखी घास से 'मल्चिंग' करना अब अनिवार्यता है। यह तकनीक सतह के तापमान को स्थिर रखती है और पानी के वाष्पीकरण को रोकती है। इसके साथ ही, सूक्ष्म-सिंचाई (ड्रिप/स्प्रिंकलर) को अपनाकर 'कम पानी-ज्यादा असर' के सिद्धांत पर काम करना होगा। बागों की मेढ़ों पर कटहल, बांस या नीम जैसे वायुरोधी अवरोध लगाने चाहिए ताकि तेज पछिया हवाओं से फूलों और फलों का बचाव हो सके। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुष्पन के दौरान बोरॉन और जिंक जैसे सूक्ष्म-पोषक तत्वों का संतुलित छिड़काव फूलों की जीवन-क्षमता को बढ़ा सकता है।

साथ ही, कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए मौसम-पूर्वानुमान आधारित छिड़काव ही कारगर होगा। ब्लॉक-स्तरीय मौसम परामर्श और सटीक पूर्वानुमान आज किसानों के लिए सबसे बड़े 'निर्णय-सहायक उपकरण' हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में किस्मों का विवेकपूर्ण चयन भी महत्वपूर्ण है। आम्रपाली, मल्लिका और गेहूं की 'हीट टॉलरेंट' किस्में जैसे डीबीडब्ल्यू 187 बदलती परिस्थितियों में बेहतर अनुकूलन दिखा रही हैं। यदि देश के कुल अनाज उत्पादन में बड़ी गिरावट आती है, तो इसका असर केवल किसान की आय पर ही नहीं, बल्कि देश की जीडीपी और आम आदमी की रसोई पर पड़ेगा। समझना होगा कि धरती का बढ़ता तापमान हमारे विकास के मॉडल पर प्रकृति का प्रतिघात है। मिट्टी की नमी को बचाना और बदलती जलवायु के अनुसार खुद को ढालना अब हमारी पसंद नहीं, बल्कि अस्तित्व की मजबूरी है। नीति-निर्माताओं, कृषि वैज्ञानिकों और स्वयं किसानों को एक मंच पर आकर इस चुनौती का सामना करना होगा। विज्ञान-आधारित प्रबंधन और समयबद्ध निर्णयों के साथ हम इस नई सच्चाई के साथ तालमेल बिठा सकते हैं।

युवा पीढ़ी को दर्द-स्ट्रेस से मिलेगी इन योगासनों से राहत

जेन जी यानी 1997 के बाद जन्मी पीढ़ी को युवा और ताक़तवर माना जाता है, लेकिन उनकी स्वास्थ्य समस्याएं उन्हें कमजोर बनाती हैं। घंटों स्क्रीन पर टिके रहना, रात को जागना, फास्ट फूड, सोशल मीडिया का मानसिक दबाव, इस पीढ़ी को उम्र से पहले ही थका दिया है। डॉक्टरों और हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेन जी में पीठ दर्द, गर्दन की जकड़न, एंग्जायटी, नींद की कमी और पाचन संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। योग इस नई पीढ़ी को संतुलन सिखा सकती है।जेन जी की समस्या उम्र या पीढ़ी नहीं, जीवनशैली है। इस पीढ़ी के लोग यानी युवा जेनेरेशन की लाइफस्टाइल ही उन्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर बीमार बना रही है। ऐसे में योगासन उन्हें सेहतमंद रखने में असरदार है। जब शरीर और मन दोनों थक जाएं, तो स्क्रीन नहीं, श्वास और मुद्राओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम

प्राणायाम करने से, खासकर अनुलोम विलोम के अभ्यास से ऑक्सीजन सप्लाई बढ़ती है और नींद की गुणवत्ता में सुधार आता है। यह ओवरथिंकिंग और स्ट्रेस को नियंत्रित करता है। यह नाड़ियों को शुद्ध करता है। बाएं और दाएं मस्तिष्क गोलार्द्धों के बीच संतुलन बनाता है। यह पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और चयापचय बढ़ाता है।

पवनमुक्तासन

इस आसन को करने से पाचन में सुधार आता है। साथ ही गैस-ब्लोटिंग से राहत मिलती है। पवनमुक्तासन खराब लाइफस्टाइल का असर कम करता है। यह पीठ के बल लेटकर घुटनों को छाती से लगाकर, सिर को उठाकर नाक को घुटनों से सटाने की क्रिया है। यह पेट की चर्बी, कमर दर्द, और साइटिका में राहत देता है। शवासन में लेट जाएं और पैरों को सीधा रखें। गहरी सांस लें और सांस छोड़ते हुए दोनों घुटनों को मोड़कर छाती की ओर लाएं। हाथों को घुटनों पर लपेटें और घुटनों को पेट की तरफ दबाएं। सांस छोड़ते हुए सिर और कंधों को जमीन से उठाएं और नाक को घुटनों के बीच लाएं।

बालासन

बालासन का अभ्यास मानसिक थकान और एंग्जायटी में तुरंत आराम देता है। इस आसन का अभ्यास नर्वस सिस्टम को शांत करता है। बाल का अर्थ बच्चा और आसन का अर्थ मुद्रा है। यह एक विश्राम मुद्रा है, जो अन्य कठिन आसनों के बीच में की जाती है। इसे करने के लिए गहरी सांस भरें और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें, जब तक कि माथा जमीन से न लग जाए। अपने हाथों को सामने की ओर सीधा फैलाएं या उन्हें शरीर के बगल में पीछे की तरफ रखें। कूल्हों को एड़ियों पर टिका कर रखें ।

भुजंगासन

अधिकतर युवा पीढ़ी को पीठ और कंधों में दर्द की शिकायत रहती है। इसके अलावा प्रदूषित वातावरण में बढ़ रहे जेन जी के फेफड़े भी कमजोर होते हैं। और तनाव कम करता है। रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है, जिससे कमर दर्द में राहत मिलती है। पाचन तंत्र को सुधारे और पेट की चर्बी को कम करने में सहायक। सीना और फेफड़े खुलकर सांस की समस्याओं में राहत मिलती है। थकान और तनाव को कम करने में मदद करता है।

ताड़ासन

जेन जी शारीरिक सक्रियता से अधिक समय बैठकर स्क्रीन टाइम में लगाता है। ऐसे में लंबे समय तक बैठने से पोश्चर खराब होता है, रीढ़ में जकड़न आ जाती है। ताड़ासन का अभ्यास रीढ़ की जकड़न को खोलता है। पोश्चर सुधारता है और शरीर में ऊर्जा लाता है। इसे करने के लिए पैरों को मिलाकर या उनके बीच थोड़ी दूरी रखकर सीधे खड़े हो जाएं। सांस भरते हुए दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और उंगलियों को आपस में फंसा लें। हथेलियों को आसमान की तरफ करते हुए हाथों, कंधों और छाती को ऊपर की ओर तानें। अब एड़ियों को धीरे-धीरे उठाएं और शरीर का सारा वजन पंजों (टोज़) पर रखें। पूरे शरीर को ऊपर की ओर खींचकर रखें और कुछ सेकंड इसी स्थिति में रहें। सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे एड़ियों को जमीन पर लाएं और हाथों को भी नीचे लाएं।

हंसना मना है

हंसी के लिए गम कुर्बान, खुशी के लिए आंसू कुर्बान, दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो, साला दोस्त भी कुर्बान।

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति- बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति- आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी- तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज- आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर- गधे दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कुटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस- चलो स्कुटी साइड में खड़ी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी- सर मुझे माफ कर दो, ट्रैफिक पुलिस- तुम्हें रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी- दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहां छुप कर बैठे थे।

कहानी | भगवान शिव की तीसरी आंख

भगवान शिव जी की हर प्रतिमा में उनके मस्तक पर एक आंख दिखाई देती है। इसे भोलेनाथ की तीसरी आंख कहते हैं। भगवान शिव के मस्तक पर तीसरी आंख है, इसलिए उन्हें त्रिलोचन भी कहा जाता है। शिव जी को यह तीसरी आंख कैसे मिली? इस घटना के पीछे एक कहानी है, जिसमें शिव जी की तीसरी आंख का रहस्य और महत्व दोनों पता चलता है। एक समय की बात है, भगवान शिव कैलाश पर्वत पर तपस्या कर रहे थे, तभी देवी पार्वती वहां आईं। देवी पार्वती को मजाक सूझा और उन्होंने अपने दोनों हाथों से अपने पति शिव की आंखों को ढक लिया। देवी पार्वती को जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनके इस मजाक का क्या परिणाम होगा। जैसे ही पार्वती जी ने भगवान शिव की आंखों को ढका, वैसे ही पूरी सृष्टि में अंधेरा छा गया। सभी लोग अंधेरे से घबरा उठे। शिव जी से लोगों की यह हालत छुप नहीं सकी और उन्होंने अपने मस्तक पर एक आंख उत्पन्न कर ली। भगवान शिव की तीसरी आंख खुलते ही सारे लोकों में उजाला हो गया। तब से शिव जी की तीसरी आंख को प्रकाश और ऊर्जा का प्रतीक माना जाने लगा। भगवान शिव इस घटना के बाद पार्वती जी को बताते हैं कि उनकी दो आंखे पूरी सृष्टि की पालनहार हैं और तीसरी आंख प्रलय का कारण। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जब भी भगवान शिव अपनी तीसरी आंख खोलेंगे, तब संसार को विनाश का सामना करना होगा। उनके तीनों नेत्रों में भूतकाल, वर्तमान और भविष्य समाया हुआ है। मान्यताओं के मुताबिक ये तीन नेत्र स्वगलोक, मृत्युलोक और पाताललोक भी दर्शाते हैं। महादेव की तीसरी आंख एक खास संकेत भी देती है। मान्यता है कि भोलेनाथ जब-जब अपना तीसरा नेत्र खोलते हैं, तब-तब नए युग का सूत्रपात होता है।

7 अंतर खोजें

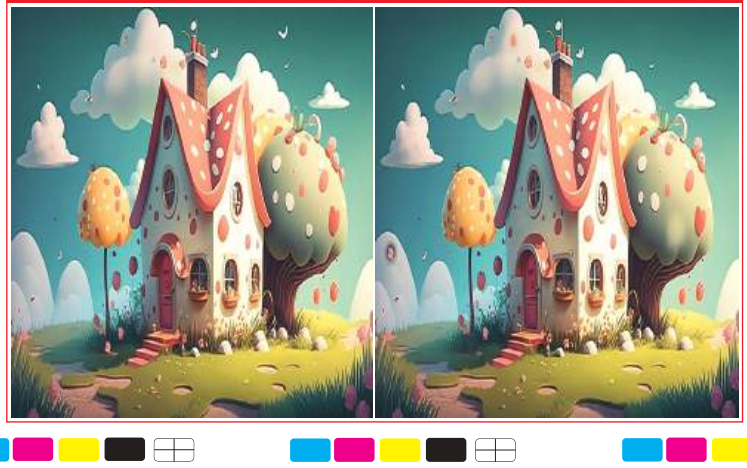

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं।

वृषभ चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मिथुन राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

कन्या उतेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा।

तुला रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। संतान की प्रगति संभव है। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

धनु बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उतेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। विरोधी परास्त होंगे।

कुम्भ दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं।

मीन नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

अन्नू कपूर ने किया नए प्ले ट्रिपल ए का एलान

मशहूर एक्टर, डायरेक्टर और टेलीविजन प्रेजेंटर अन्नू कपूर आज 20 फरवरी को अपना 70वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास दिन पर उन्होंने अपने नए प्ले ट्रिपल ए का एलान किया। अन्नू कपूर ने अपने फैंस को बधाईयों के लिए शुक्रिया कहा। इसी के साथ उन्होंने अपने आगामी प्ले ट्रिपल ए को लेकर भी जानकारी शेयर कीं। अन्नू कपूर ने बर्थडे के मौके पर दिवंगत हॉलीवुड एक्टर सिडनी पोइटियर को भी याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। दरअसल, सिडनी की आज 20 फरवरी को बर्थ एनिवर्सरी है। अन्नू कपूर ने जन्मदिन पर मिले मैसेज के लिए शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मुझे पुरानी बातें याद दिलाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अभिनेता ने खुद को बहुत ही साधारण और जमीन से जुड़ा इंसान बताया। साथ ही कहा कि एक्टर सिडनी पोइटियर के साथ अपना जन्मदिन शेयर करके गर्व महसूस हो रहा है। अन्नू कपूर ने कहा, मैं सर सिडनी पोइटियर को सलाम करता हूं। वह अमेरिकन सिनेमा के एक आइकॉनिक एक्टर, एक जबर्दस्त परफॉर्मर और एक मास्टर आर्टिस्ट थे। उन्होंने याद किया कि पोइटियर एकेडमी अवॉर्ड पाने वाले पहले ब्लैक एक्टर्स में से एक थे। साथ ही फिल्म टू सर, विद लव का भी जिक्र किया। अपने खास दिन पर अन्नू कपूर ने अपने नए थिएटर वेंचर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ट्रिपल ए टाइटल वाले इस प्ले का अर्थ है- आर्ट, आर्टिस्ट और ऑडियंस। अन्नू कपूर के मुताबिक यह नाटक उनके क्रिएटिव एसोसिएट्स अरुणिमा मिश्रा, देवेंद्र बलसरफ और सूफी खान के सपोर्ट से लिखा गया है। अभी इसके ऑडिशन चल रहे हैं और दो सेशन पहले ही पूरे हो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे युवा लड़के और लड़कियों की तलाश में हैं, जो डांस में भी माहिर हों। 70 वर्षीय एक्टर ने आगे कहा कि वे उन्हें अब क्रिएटिव सैटिस्फैक्शन चाहिए और वे एक या दो नए प्रोजेक्ट डायरेक्ट करने का प्लान बना रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं जो भी बनाऊंगा, वह असली और प्योर होगा।

'भूत बंगला' अक्षय की बहन का रोल करेंगी मिथिला

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपने गेम रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में व्यस्त हैं। वहीं अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर भी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी बड़े पर्दे पर वापस लौट रही है। अब फिल्म की कास्ट में एक नई अभिनेत्री का नाम सामने आया है। अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्टारर 'भूत बंगला' में अब एक नया नाम शामिल हो गया है। इस नाम के बारे में खुद अक्षय ने जानकारी दी है। ये नाम है अभिनेत्री मिथिला पालकर का। हाल ही में मिथिला अक्षय की होस्टिंग वाले गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में नजर आई थीं। इसी दौरान अक्षय ने ये खुलासा किया कि मिथिला भूत बंगला का हिस्सा हैं। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। एक्टर ने कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। जल्द ही वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी, जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद। भूत बंगला में मिथिला भूत का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी। भूत बंगला 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का 16 साल बाद एकसाथ आना है। अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 'हेरा फेरी' समेत कई कल्ट कॉमेडी फिल्में दी हैं। ऐसे में अब 'भूत बंगला' के जरिए निर्देशक-अभिनेता की ये जोड़ी एक बार फिर नई कॉमेडी फिल्म के साथ तैयार है। यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने के लिए उत्साहित हैं। भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है

कॉकटेल 2 में लेस्बियन कपल का रोल करेंगी रश्मिका-कृति

अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर लोगों में उत्सुकता है। रिलीज से पहले इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा होने लगी है। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म कॉकटेल को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। अब इसके सीक्वल कॉकटेल 2 में रश्मिका मंदाना, कृति सेनन और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। इसमें रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के रोल को लेकर एक अपडेट सामने आई है। फिल्म कॉकटेल 2 की कहानी को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ रही है। फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल का रोल करेंगी। हालांकि, प्रोडक्शन टीम ने फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। इसलिए दर्शकों को कोई नतीजा निकालने से पहले प्रोडक्शन हाउस की तरफ से दी गई जानकारी का इंतजार करना होगा। 31 जनवरी को, डायरेक्टर होमी अदजानिया ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। आपको बता दें कि ओरिजिनल फिल्म कॉकटेल (2012) में दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान ने अहम किरदार निभाया था। इस फिल्म ने अपनी अलग कहानी के लिए तारीफें बटोरी थीं। ऐसे में फिल्म के सीक्वल से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। फिल्म कॉकटेल 2 की रिलीज का अभी एलान नहीं हुआ है। हालांकि मीडिया में खबरें चल रही हैं कि मेकर्स इसे इस साल सितंबर तक रिलीज कर सकते हैं। यह फैसला इसलिए किया गया है, ताकि शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो को कुछ वक्त मिल सके।

इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, कृति सेनन और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं

रातों-रात भूतों ने बनवाया था यूपी में भोले बाबा का मंदिर!

कानपुर में भोलेनाथ का भूतेश्वर मंदिर है। भक्तों का मानना है कि बाबा भूतेश्वर हर मनोकामना पूरी करते हैं। यही वजह है कि सावन भर दूर-दूर से भक्त बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। यही नहीं इस मंदिर का नाता भगवान श्रीराम के समय से है। यह भी माना जाता है कि इस मंदिर को भूतों ने बनवाया था। हसनपुर इलाके में भगवान शंकर का हजारों वर्ष पुराना मंदिर है। जिसके बारे में किवदंतियां है कि भगवान शंकर के प्रिय भूतों ने रातोंरात इस मंदिर का निर्माण किया। जिससे इसका नाम भूतेश्वर महादेव पड़ा। मंदिर के महन्त महाराज गिरी ने बताया कि मंदिर हजारों साल पुराना है। भगवान राम ने जब सीता माता का परित्याग कर दिया था तब यहां सीता माता लव और कुश के साथ बिठूर में रहती थीं। तब रोजाना जल अर्चन के लिए आती थीं। बताया जाता है कि मुगल शासक औरंगजेब ने इस मंदिर में तोड़फोड़ की थी। हालांकि किसी को स्पष्ट नहीं है लेकिन पूर्वजों ने जैसा बताया उसके अनुसार भूतेश्वर महादेव मंदिर में टूटी हुई मूर्तियों के अवशेष आज भी हैं। जिनको देख कर स्पष्ट होता है कि मुगल शासक औरंगजेब ने इस मंदिर पर हमला किया था। भूतेश्वर महादेव मंदिर में दो सुरंग भी थीं। जिसमें से एक रावतपुर क्षेत्र में और दूसरी बिठूर क्षेत्र में खुलती थी। रावतपुर के राजा की रानी रौतेला इन्ही सुरंगों से भूतेश्वर महादेव की पूजा करने आती थीं। रानी रौतेला बहुत सुन्दर थीं। उन्हें कोई देख न सके इसलिए रावतपुर राजा ने रानी के लिए दो सुरंगों का निर्माण कराया था। जिनके अवशेष आज भी मौजूद हैं। क्षेत्र के लोगों का भूतेश्वर महादेव में असीम और अटूट विश्वास है। लोगों का मानना है कि भूतेश्वर बाबा किसी की भी मनोकामना को बाकी नहीं छोड़ते सभी भक्त बाबा के दरबार से प्रसन्न होकर जाते हैं और मनोकामना पूरी होने पर पीतल के घण्टे चढ़ाते हैं। भूतेश्वर महादेव मंदिर में रोजाना सुबह 5 बजे महादेव की आरती होती है। जिसमें सैकड़ों भक्त शामिल होते हैं। कोई श्रावण मास में भक्तों की संख्या और बढ़ जाती है हर कोई बाबा की पूजा अभिषेक करने के लिए कतार बद्द तरीके से अपनी लाइन में नजर आता है।

अजब-गजब | यूपी के इस अनोखे गांव में लोगों के हैं अजीबो-गरीब नाम

भेड़िया, बकरी और गिलहरी लगाते हैं सर नेम

क्या आपने कभी किसी शख्स का सरनेम पशु-पक्षियों के नाम पर सुना है, लेकिन ये पूरी तरह से सच है। उत्तर प्रदेश में एक ऐसा गांव है, जहां लोगों का सरनेम पशु-पक्षियों के नाम पर होते हैं। यह गांव कोई और नहीं, बल्कि बागपत जिले का एक अनोखा गांव है। यहां के लोगों की पहचान हवेलियों से होती है। जिसका मतलब है कि अगर कोई बाहरी व्यक्ति यहां आता है तो हवेलियों के नाम से जानने वाले के घर का पता पूछते हैं। इस अनोखे गांव का नाम बामनौली है। यह गांव जिला मुख्यालय से 28 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां करीब 14 हजार लोग रहते हैं। करीब 250 साल पहले इस गांव में हवेलियां बनाने का काम शुरू हुआ। इस गांव में 50 से ज्यादा हवेलियां बनवाई गई। जिसकी वजह से यह हवेलियों वाला गांव के नाम से जाना जाता है। कई लोग अपनी हवेलियों को बेच कर शहर में रहने चले गए, लेकिन आज भी गांव में करीब 30 परिवार ऐसे हैं, जो हवेलियों में रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूर्वजों ने हवेलियों को बनाने के लिए गांव में भट्टियां बनवाई थीं। उस वक्त गांव में रघुवीर सिंह, चंदन सिंह, गिरवर सिंह, रामप्रसाद सिंह, तोताराम, तुलसी राम, हरज्ञान सिंह, बालमुकंद बनिया, रामनारायण सिंह ने सबसे पहले हवेलियों का निर्माण कराया था। इनके बाद गांव के अन्य लोगों ने हवेलियों का निर्माण करवाया। बामनौली नाम के इस गांव में 11 ऐतिहासिक मंदिर हैं। गांव के नागेश्वर मंदिर, बाबा सुरजन दास मंदिर, ठाकुर द्वारा मंदिर, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर दूर-दूर तक फेमस है। यहां भक्त दूर-दूर से पूजा करने आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों के सरनेम पशुओं व जानवरों के नाम पर रखने का रिवाज पुराना है। इसकी वजह से गांव में कई लोगों के नाम के पीछे तोता, चिड़िया, गिलहरी, बकरी, बंदर लगे हैं। अगर गांव में किसी के नाम कोई चिट्ठी आती है तो यही सरनेम लिखा जाता है।

डीएमके-कांग्रेस गठबंधन मजबूत

» सांसद कनिमोझी ने भाजपा के वाकआउट को बताया नाटक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) की सांसद कनिमोझी ने डीएमके-कांग्रेस गठबंधन की मजबूती को दोहराते हुए कहा कि यह एक दीर्घकालिक साझेदारी है जिसमें बदलाव की कोई संभावना नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए कनिमोझी ने कहा कि डीएमके-कांग्रेस गठबंधन एक मजबूत साझेदारी है जो कई वर्षों से चली आ रही है और इसमें किसी भी तरह के बदलाव की कोई संभावना नहीं है। अंतरिम बजट को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के विधानसभा से वॉकआउट के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आम तौर पर अंतरिम बजट में महत्वपूर्ण नीतिगत घोषणाएं नहीं की जाती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अगर ध्यान से देखा जाए तो युवाओं और खेल क्षेत्र के लिए लाभकारी कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। उन्होंने वॉकआउट की आलोचना करते हुए इसे केवल राजनीतिक कारणों से रचा गया एक अनावश्यक राजनीतिक नाटक बताया। भाजपा द्वारा डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में कथित दरार के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए इतना ही काफी है कि वह अपने गठबंधन को ठीक से निभाए। यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें अन्य गठबंधनों की चिंता क्यों है। तमिलनाडु विधानसभा में 234 सीटें हैं,

भाजपा अपने गठबंधन को ठीक से निभाए

जिनमें से डीएमके-कांग्रेस गठबंधन ने 2021 के चुनावों में 151 सीटें जीती थीं। ये टिप्पणियां आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और डीएमके के बीच चल रही सीट बंटवारे की बातचीत के बीच आई हैं।

सीट बंटवारे के लिए द्रमुक ने कसी कमर

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने अपनी चुनावी मशीनरी को सक्रिय कर दिया है। शनिवार को पार्टी नेतृत्व ने आगामी चुनावों के लिए अपने सहयोगियों के साथ सीटों के बंटवारे पर औपचारिक बातचीत शुरू करने हेतु एक उच्च स्तरीय सात सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कोषाध्यक्ष टी.आर. बालू इस महत्वपूर्ण समिति की कमान संभालेंगे। समिति में पार्टी के उन दिग्गजों को शामिल किया गया है जिन्हें गठबंधन की राजनीति और चुनावी गणित का लंबा अनुभव है।

बालू की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय समिति गठित

तमिलनाडु विधानसभा सत्र 20 फरवरी को समाप्त होने के साथ ही द्रमुक अपनी बूथ समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण देने और सदस्यता अभियान चलाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। द्रमुक ने कहा कि सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए समिति का गठन किया गया है। पार्टी के कोषाध्यक्ष बालू इस समिति के प्रमुख होंगे। द्रमुक के प्रधान सचिव के एन नेहरू, उप महासचिव तिरुचि शिवा और ए राजा, संगठन सचिव आर एस भारती और द्रमुक की उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति के सदस्य ई वी वेलू और एम आर के पनीरसेल्वम भी समिति के सदस्य हैं।

गठबंधन की चुनौती और भविष्य की राह

द्रमुक वर्तमान में धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, जिसमें कांग्रेस, वामपंथी दल और एमडीएमके जैसे दल शामिल हैं। 2026 का चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विपक्षी खेमे में नए गठबंधन बनने की संभावना है। ऐसे में टी.आर. बालू की अध्यक्षता वाली यह समिति यह सुनिश्चित करेगी कि सहयोगियों के बीच तालमेल बना रहे और सीटों का वितरण बिना किसी बड़े विवाद के संपन्न हो जाए।

बंगाल वोटर लिस्ट पर अंतिम मुहर न्यायपालिका की निगरानी में लगेगी

» ममता को सुप्रीम कोर्ट से लगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। आज कोर्ट ने साफ कर दिया कि एसआईआर पर राज्य सरकार और इलेक्शन कमीशन के बीच चल रहा टकराव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और अब इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी न्यायिक अधिकारियों की देखरेख में होगी। अदालत ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को आदेश दिया कि जिला जज और एडीजे स्तर के बेदाग रिकॉर्ड वाले अधिकारियों को इस काम में लगाया जाए जो लोगों के दावे और आपत्तियों पर फैसला करेंगे। यानी अब वोटर लिस्ट पर अंतिम मोहर सरकार नहीं न्यायपालिका की निगरानी में लगेगी।

तो ये फैसला ममता सरकार के लिए बड़ा चुनावी झटका माना जा रहा है क्योंकि जिस प्रक्रिया पर सत्ता का नियंत्रण माना जा रहा था वही अब कोर्ट की निगरानी में चली गई है। अब साफ संदेश यह है कि बंगाल में अब चुनावी खेल नियमों से होगा ना कि सत्ता की शर्तों पर और यही वजह है कि इस फैसले को दीदी की राजनीति के लिए बड़ा झटका और आने वाले चुनाव का टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। बंगाल में एसआईआर मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच विश्वास की कमी है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि ये न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारियों के कार्य का निर्वहन करेंगे। यह कदम इस विवाद के मद्देनजर उठाया गया कि क्या राज्य ने चुनाव आयोग को ईआरओ के रूप में कार्य करने के लिए पर्याप्त संख्या में एसडीएम रैंक के अधिकारी उपलब्ध कराए है या नहीं? राज्य सरकार ने अपनी ओर से चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त माइक्रो-ऑब्जर्वर और विशेष रोल ऑब्जर्वर पर आपत्ति जताई थी।

अभिषेक की खराब फॉर्म ने बढ़ाई भारत की चिंता

» टी20 विश्वकप में सुपर आठ में पहला मुकाबला कल दक्षिण अफ्रीका से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप के ग्रूप चरण में भारतीय टीम भले ही अजेय रही और उसने सभी चार मैच जीते, लेकिन अब तक उसका प्रदर्शन बहुत ज्यादा अच्छा नहीं रहा है। बल्लेबाजी हो या फील्डिंग दोनों ही मोर्चों पर टीम संघर्ष करती दिखी है। लेकिन अब गत चैंपियन टीम की असली परीक्षा शुरू होगी। सुपर आठ चरण में भारत का अपना पहला मैच रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने उतरेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में संजू सैमसन के नहीं चलने पर टीम प्रबंधन ने टी20 विश्वकप के लिए उनकी जगह ईशान किशन को अभिषेक शर्मा के जोड़ीदार के रूप में शामिल कर लिया, लेकिन उसने यह नहीं सोचा कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों की ओपनिंग जोड़ी धीमे विकेटों पर स्पिनरों के खिलाफ गच्चा भी खा सकती है।

भारत के शीर्ष क्रम को धीमे विकेटों पर स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ रहा है। ऐसे में भारतीय टीम को दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों की ओपनिंग जोड़ी की कमी खल रही है। बाएं हाथ के ओपनरों की जोड़ी के खिलाफ अंगुली के स्पिनर असरदार रहे हैं। समस्या सिर्फ बाएं हाथ के ओपनरों की नहीं है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आ रहे तिलक वर्मा भी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। अब तक विश्वकप में अभिषेक के साथ तिलक का भी प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। वहीं विश्वकप के पहले मैच से ही सह मेजबान भारत को अपने घर में मनमाफिक पिचें नहीं मिलीं। ये पिचें धीमीं थीं जिन पर अभिषेक और तिलक वर्मा जैसे स्ट्रोक प्लेयर को दिक्कत आई। अभिषेक तेजी से बल्ला घुमाते हैं और पिच पर रुककर आ रही गेंद पर वह अपने बल्ले की स्विंग से तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं। सुपर आठ में भी अगर धीमीं पिचें मिलीं तो यहां भारतीय बल्लेबाजों को उसी तरह से तालमेल बिठाना होगा जैसा ईशान किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की पारी और सूर्यकुमार ने अमेरिका के खिलाफ 84 रन की पारी के दौरान दिखाया था।

पहले सुपर आठ मैच में पाक-न्यूजीलैंड आमने-सामने

कोलंबो। टी20 विश्वकप में सुपर आठ चरण का रोमांच शनिवार को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले पहले मुकाबले से शुरू होगा। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच असल टक्कर स्पिन और बल्लेबाजी कौशल की होगी। पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक की अगुआई में बेहतर स्पिन गेंदबाजी आक्रमण है, तो न्यूजीलैंड को टिम सीफर्ट और फिन एलन की सलामी जोड़ी के अलावा, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र और मार्क चेपमैन मजबूती प्रदान करते हैं। सलमान आगा की पाकिस्तान के लिए मजबूत पक्ष यह है कि उसकी टीम कोलंबो और श्रीलंकाई परिस्थितियों से टी20 विश्वकप शुरू होने से पहले ही परिचित हो चुकी है। न्यूजीलैंड के लिए दिक्कत यह है कि उसके खिलाड़ी जनवरी से ही भारत में बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर खेलते आ रहे हैं। सुपर आठ के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को कोलंबो की धीमी पिच पर पाकिस्तानी स्पिनरों से निपटने के लिए खास रणनीति बनानी होगी।

मानहानि मामले में भिवंडी कोर्ट में पेश हुए राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राहुल गांधी 2014 के आरएसएस मानहानि मामले के सिलसिले में भिवंडी अतिरिक्त सत्र न्यायालय में पेश हुए। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल के निधन के बाद जिन्होंने पहले उनके जमानती के रूप में काम किया था, गांधी ने अपनी जमानत के लिए नए जमानती पेश किए।

राहुल के वकील ने बताया कि मूल जमानती, शिवराज पाटिल का निधन हो गया है, जिसके कारण नए जमानती की आवश्यकता पड़ी। अय्यर ने बताया कि राहुल और महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल कार्यवाही के दौरान उपस्थित थे।

परिवहन मेले का भव्य आयोजन

» लोगों को लाइफ टाइम टैक्स की दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। जिले में शुक्रवार को आरंभ हुआ परिवहन मेला आज समाप्त हो गया। इस दौरान वाहन मालिकों को लाइफ टाइम टैक्स की जानकारी दी गई। इससे पहले मेले का उद्घाटन एआरटीओ धनबीर यादव, पीटीओ लव कु मार सिंह ने किया।

इस अवसर पर विभाग के कर्मचारी भी शामिल हुए। इसे मेले में लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर लोगों को टैक्स के बारे में बताया गया। उन्हें तकनीकि माध्यम से टैक्स जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मेले में कई लोगों ने टैक्स जमा किया।

अदृश्य राजनीतिक दबाव में हैं पीएम: राहुल

» नेता प्रतिपक्ष ने मोदी पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में इस्तेमाल किए गए अपने जिउ-जित्सु के उदाहरण को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक पकड़ और दबाव में फंसे हुए हैं, जो जनता को दिखाई नहीं देते। एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए गांधी ने उदाहरण देते हुए कहा कि बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा है कि मैंने संसद में अपने भाषण में जिउ-जित्सु का उदाहरण क्यों दिया। मैंने पकड़ और दबाव का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि ये जिउ-जित्सु खेल में होते हैं और इसी तरह प्रतिद्वंद्वी को नियंत्रित किया जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि राजनीति में भी इसी तरह के तरीके मौजूद हैं, लेकिन जनता को दिखाई नहीं देते। कांग्रेस सांसद ने कहा कि राजनीतिक पकड़ और दबाव ज्यादातर छिपे रहते हैं। आम आदमी उन्हें देख नहीं पाता। और यह देखने के लिए कि दबाव कहां लगाया जा रहा है, आपको ध्यान से देखना होगा। गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई दबावों के बीचफंसे हुए हैं। अमेरिका में अडानी मामले और एपस्टीन मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय नाम उन फाइलों से जुड़े हैं जिन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है। उन्होंने डेटा प्रबंधन पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लेकिन सबसे महत्वपूर्ण डेटा है। तथ्य यह है कि हमारा डेटा नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका की अमेरिकी कंपनियों को मामूली कीमत पर सौंपा जा रहा है। और मेरी बात याद रखिए, हम डेटा कॉलोनी बनने जा रहे हैं। गांधी ने सवाल उठाया कि भारत अमेरिका के साथ डेटा, कृषि और उद्योग से संबंधित समझौते क्यों करेगा, और कहा कि इसका जवाब प्रधानमंत्री पर लगाए गए दबाव और दबाव में निहित है।

हमारा डेटा अमेरिकी कंपनियों को मामूली कीमत पर सौंपा जा रहा है

एक तरफ चीन हमारी सीमा पर बैठा है और दूसरी तरफ अमेरिका

गांधी ने कहा कि एक तरफ चीन हमारी सीमा पर बैठा है, और दूसरी तरफ अमेरिका। और हमारे प्रधानमंत्री इन दोनों के बीच फंसे हुए हैं। वे फँसे हुए हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की सार्वजनिक छवि वित्तीय समर्थन से कायम है और उस छवि पर नियंत्रण भारत के बाहर के लोगों के हाथों में है। गांधी ने दावा किया कि नीतिगत फैसलों का असर किसानों और कपड़ा क्षेत्र पर पड़ सकता है, और आरोप लगाया कि भारत को अमेरिका से आयात बढ़ाना पड़ सकता है।

अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद भारत में सियासी बवाल

मोदी ने अमेरिका के सामने एकतरफा आत्मसमर्पण कर दिया : खरगे

» सरकार ने टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया : कांग्रेस अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए वैश्विक टैरिफ को खारिज करने के फैसले की गूंज भारत में सुनाई दे रही है। कोर्ट के निर्णय के बाद भारत में सियासी बवाल मच गया है। पूरे विपक्ष ने मोदी सरकार को इस मामले में घेर लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को सवाल उठाया कि क्या नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की विदेश नीति अस्पष्ट है या उसने अमेरिका के सामने एकतरफा आत्मसमर्पण कर दिया है। यह सवाल अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए वैश्विक टैरिफ को खारिज करने के बाद उठाया गया।

विपक्ष के निशाने पर भाजपा और एनडीए सरकार

एक्स पर एक पोस्ट में, खरगे ने पूछा कि केंद्र ने अंतरिम व्यापार समझौते में जल्दबाजी करने से पहले अमेरिकी अदालत के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया, जिसे उन्होंने जाल समझौता कहा। खरगे ने समझौते के संयुक्त वक्तव्य की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें कई अमेरिकी निर्यातों पर शून्य टैरिफ शामिल हैं, जिससे भारत की कृषि को अमेरिकी वस्तुओं के लिए प्रभावी रूप से खोल दिया गया है, 500 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी उत्पादों के आयात की योजना है, रूसी तेल की खरीद पर रोक है जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नुकसान पहुंच सकता है, और कई डिजिटल कर रियायतें शामिल हैं। खरगे के एक्स पोस्ट में लिखा था कि अस्पष्ट विदेश नीति या एकतरफा आत्मसमर्पण? मोदी सरकार ने टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया, इससे पहले कि वह जल्दबाजी में एक ऐसे धोखेबाज़ समझौते में फंस गई, जिससे भारत से भारी रियायतें हासिल की गईं? संयुक्त बयान में भारत को निर्यात होने वाले कई अमेरिकी उत्पादों पर शून्य टैरिफ की बात कही गई थी, जिससे भारत की कृषि को अमेरिकी वस्तुओं के लिए लगभग खोल दिया गया था, 500 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान आयात करने की योजना थी, हमारी ऊर्जा सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाले रूसी तेल की खरीद पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता थी और डिजिटल क्षेत्र में कई कर रियायतें थीं। उन्होंने आगे मांग की कि मोदी स्पष्ट करें कि किसने सरकार पर भारत के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता करने के लिए दबाव डाला।

पीएम बताएं समझौते के पीछे क्या मजबूरी थी : जयराम

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए यह सवाल भी किया कि ऐसी क्या मजबूरी थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया कि दो फरवरी 2026 की रात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करें? रमेश ने पोस्ट किया, कल अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा उनकी शुल्क नीति को खारिज किए जाने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री उनके बहुत अच्छे मित्र हैं, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता घोषणा के अनुसार जारी रहेगा और उन्होंने 10 मई 2025 को भारतीय निर्यात पर शुल्क बढ़ाने की धमकी देकर व्यक्तिगत रूप से ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया था। उन्होंने कहा, दो फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप ने सबसे पहले घोषणा की थी कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम रूप ले चुकी है। रमेश ने सवाल किया कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि मोदी ने सुनिश्चित किया कि दो फरवरी 2026 की रात राष्ट्रपति ट्रंप ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करें? कांग्रेस नेता ने कहा, उस दोपहर लोकसभा में ऐसा क्या हुआ था, जिसने प्रधानमंत्री मोदी को इतना व्याकुल कर दिया कि उन्होंने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में अपने 'अच्छे मित्र' से संपर्क कर ध्यान भटकाने वाली स्थिति पैदा की?"

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर मचा कोहराम

» भाजपा और बसपा ने साधा निशाना

» बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस से की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नईदिल्ली। एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर सियासी कोहराम मच गया है। बसपा व भाजपा ने प्रतिक्रया दी है। बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया है। उधर पुलिस ने भी कार्यवाही तेज कर दी है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि वो एंटी नेशनल पार्टी है जहां दुनिया भर में एआई समिट की तारीफ़ हो रही है वहीं राहुल गांधी की कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। बीजेपी आज देशभर में इसके विरोध में प्रदर्शन भी कर रही है।

दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इंपेक्ट समिट में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न होकर प्रदर्शन को अशोभनीय बताया और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समिट के दौरान ऐसा आचरण करना चिंता की बात है। वहीं बीजेपी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से यूथ कांग्रेस के लोगों पर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन अति-अशोभनीय व निन्दनीय है : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा कि नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट', जिसमें देश व विदेश के भी काफी प्रमुख लोग आमंत्रित थे तथा यह इवेन्ट अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्ख़ियों में था, इस दौरान जिन भी लोगों द्वारा अर्द्धनग्न होकर अपना रोष प्रकट किया है जिसमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताये जा रहे हैं, वह अति-अशोभनीय व निन्दनीय है। अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, किन्तु समिट के दौरान ऐसा आचरण करना यह चिन्ता की बात है अर्थात अपने देश की गरिमा व इमेज को ना बिगाड़ा जाये तो यह उचित होगा।

कांग्रेस मुख्यालय के आगे भाजपा का विरोध प्रदर्शन

एआई समिट में हंगामा करने के विरोध में बीजेपी आज दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगो के पोस्टर लेकर विरोध कर रहे हैं। बीजेपी नेताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए अकबर रोड को दिल्ली पुलिस ने दो लेयर की बैरीकेड लगाकर बंद कर दिया। गुस्साए बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड को तोड़ दिया। इस दौरान कई बीजेपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया. इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष विनोद सचदेवा के अलावा सांसद मनोज तिवारी भी शमिल हुए।

दिल्ली को दहलाने की साजिश, अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को निशाना बनाने की आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। खुफिया जानकारी के अनुसार, आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा दिल्ली के लाल किले के आसपास और चांदनी चौक स्थित एक प्रमुख मंदिर में बम धमाके की फिराक में हैं। यह अलर्ट पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई एक मस्जिद में हुए ब्लास्ट का बदला लेने की मंशा से जोड़कर देखा जा रहा है।

खुफिया सूत्रों ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा संगठन आईईडी के जरिए हमला करने की साजिश रच रहा है। विशेष रूप से, चांदनी चौक इलाके में स्थित एक मंदिर को संभावित लक्ष्य के रूप में देखा जा रहा है। यह आतंकी संगठन पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 6 फरवरी को हुए एक मस्जिद विस्फोट के बाद भारत में बड़ा आतंकी हमला करने की फिराक में है। खुफिया इनपुट के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा देश भर के प्रमुख मंदिरों को भी निशाना बना सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल इस आतंकी संगठन के निशाने पर हैं। खुफिया सूत्रों ने कहा, दिल्ली में लाल किले के सामने ब्लास्ट का अलर्ट है। आतंकवादी चांदनी चौक में एक मंदिर को निशाना बना सकते हैं। लश्कर-ए-तैयबा आईईडी हमले की साजिश रच रहा है। 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित एक मस्जिद में हुए विस्फोट के बाद यह संगठन भारत में बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। देश के बड़े मंदिरों को लश्कर-ए-तैयबा निशाना बना सकता है। बता दें कि दिल्ली में पिछले साल ही 10 नवंबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास बम धमाका हुआ था। जिसमें 10 से ज्यादा लोग मारे गए थे और कई लोग घायल हुए थे। धमाका लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास विस्फोटकों से भरी कार में हुआ था।

» लश्कर-ए-तैयबा का आईईडी हमले की तैयारी

» लाल किला और चांदनी चौक का मंदिर निशाने पर

नहर में गिरा सीआरपीएफ का बंकर वाहन, 9 जवान घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। श्रीनगर में शनिवार को एक भीषण हादसा हुआ, जब सीआरपीएफ का एक बंकर वाहन सड़क से फिसलकर सौरा के दागपोरा इलाके में एक नहर में गिर गया। इस घटना में सीआरपीएफ के कम से कम नौ जवान घायल हो गए। अहमद नगर के दगपोरा रोड पर उमर हेयर के पास यह हादसा हुआ, जब चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वाहन नहर में गिर गया।

सीआरपीएफ की 21वीं बटालियन के सात घायल जवानों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में, दो और घायल जवानों को इलाज के लिए एसकेआईएमएस सौरा ले जाया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी घायल जवान स्थिर हैं और उनका इलाज चल रहा है।

डिवाइडर से टकराई कार, 5 लोगों की मौत, 6 घायल

» गुजरात के मेहसाणा में हुई घटना में मरने वाले एक ही परिवार के थे सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शनिवार सुबह उन्झा-मेहसाणा हाईवे में दर्दनाक सड़क हादसा में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे कुमावत परिवार की इको कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा अहमदाबाद के रामोल इलाके में हुआ, जब परिवार वापस लौट रहा था। इस हादसे में छह अन्य लोग घायल हैं।

पुलिस के मुताबिक, उनावा के पास ईको कार के ड्राइवर ने गाड़ी पर से कंट्रोल खो दिया, जिससे वह बीच के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी बुरी तरह डैमेज हो गई। एक ही परिवार के चार लोगों रामलाल कुमावत, कैलाश कुमावत, कोमल कुमावत और एक बच्चे - की मौके पर ही मौत हो गई। मंथरादेवी नाम की एक बुजुर्ग महिला की बाद में मेहसाणा सिविल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे मरने वालों की कुल संख्या पांच हो गई। ड्राइवर समेत गाड़ी में सवार छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

सभी राजस्थान के रहने वाले हैं

कुमावत परिवार मूल रूप से राजस्थान के पाली जिले और भावनगर का निवासी है। वे वर्तमान में अहमदाबाद के रामोल इलाके में रहते हैं। परिवार राजस्थान में एक शादी में शामिल होने के बाद अपनी इको कार से अहमदाबाद लौट रहा था। इसी दौरान उन्झा-मेहसाना राजमार्ग पर उनावा के पास दुर्घटना हो गई।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा